

एक छोटा बीज: बन्गारी माथाई की कहानी

Une petite graine : l'histoire de
Wangari Maathai



एक छोटा बीज: बन्गारी माथाई की कहानी / Une

petite graine : l'histoire de Wangari

Maathai

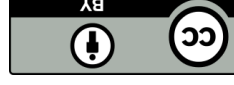
Written by: Nicola Rijdsdijk

Illustrated by: Maya Marshak

Translated by: (hi) Tanvi Sirari, (fr) Boulanger

Mirei, Translators without Borders

This story originates from the African Storybook
(africanstorybook.org) and is brought to you by
Storybooks Canada in an effort to provide
children's stories in Canada's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons

[Attribution 4.0 International license.](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0)

<https://creativecommons.org/licenses/by/4.0>



✍️ Nicola Rijdsdijk
🔒 Maya Marshak
📖 Tanvi Sirari
🗣️ Hindi / French
📖 Level 3



पूरवी अफरीका में कैनया पहाड़ के एक गाँव में एक छोटी लड़की अपनी माँ के साथ खेतों में काम करती थी। उसका नाम वनगारी था।

...

Dans un village situé sur les flancs du Mont Kenya en Afrique de l'Est, une petite fille travaillait dans les champs avec sa mère. Son nom était Wangari.

Wangari aimait beaucoup être dehors. Dans le potager de sa famille, elle faisait des trous dans le sol avec sa machette. Elle enfouissait des petites graines dans la terre chaude.

...

बनगारी की बहरी पसंद था। अपने परिवार के खाने के अंगान में उसने मिट्टी की अपनी छेरी से जोगा। उसने छोटे रोजों को गम मिट्टी में दबा दिया।





उसका दिन का सबसे पसंदिदा समय सूर्यास्त के एकदम बाद था। जब इतना अंधेरा हो जाता कि पौधे नहीं दिखते तब वनगारी जान जाती कि घर जाने का समय हो गया है। वो खेतों के संकरे रास्तों से निकल जाती और रास्ते में नदियों को पार करती।

...

Son moment favori de la journée était juste après le coucher du soleil. Quand il faisait trop nuit pour voir les plantes, Wangari savait qu'il était l'heure de rentrer à la maison. Pour rentrer, elle devait suivre des sentiers étroits à travers champs et traverser des rivières.



२०११ में वनगारी की मृत्यु हो गयी, लेकिन जब भी हम एक सुन्दर पेड़ देखते हैं, हम उसे याद कर सकते हैं।

...

Wangari mourut en 2011 mais nous pensons à elle chaque fois que nous voyons un bel arbre.

Wangari avait travaillé dur. Partout dans le monde, les gens s'en aperçurent et lui donnèrent un prix renommé. Il s'appelle le Prix Nobel de la Paix et elle fut la première femme africaine à le recevoir.

...

वन्गारि ने बहुत मेहनत कही। दुनिया भर के लोगों ने ध्यान दिया और उसे एक प्रसिद्धि पुरस्कार दिया। उसे नोबेल शांति पुरस्कार कहा जाता है, और वो पहली अफ़्रीकन औरत हैं जिन्होंने ये पुरस्कार प्राप्त किया है।

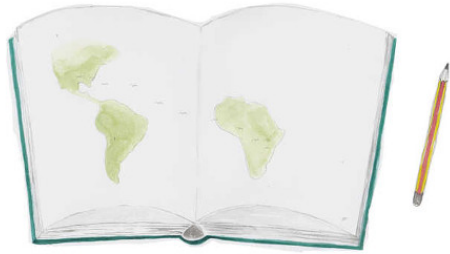


Wangari était une enfant intelligente et ne pouvait plus attendre pour aller à l'école. Mais sa mère et son père voulaient qu'elle reste à la maison pour les aider. Quand elle eut sept ans, son grand frère persuada ses parents de la laisser aller à l'école.

...

वन्गारि एक हीरोइया बच्ची थी और विद्यालय जाने की बेयार थी। लेकिन उसके माता-पिता चाहते थे कि वो घर में रहे और उनकी मदद करे। जब वो सात वर्ष की हो गयी, तब उसके बड़े भाई ने उनके माता-पिता को उसे विद्यालय जाने के लिये मना लिया।





उसे सीखना पसंद था! वनगारी हर किताब पढ़ने से और ज़्यादा सीख जाती। उसने विद्यालय में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उसे पढ़ने के लिये अमेरिका से निमंत्रण मिला। वनगारी उत्साहित थी! वो दुनिया के बारे में जानना चाहती थी।

...

Elle aimait apprendre ! Wangari apprenait de plus en plus avec chaque livre qu'elle lisait. Elle travaillait si bien à l'école qu'elle fut invitée à étudier aux Etats Unis d'Amérique. Wangari était enthousiaste ! Elle voulait en savoir plus sur le monde.



समय के साथ नये पेड़ बढ़कर जंगल बन गये, और नदियाँ फिर से बहने लगी। वनगारी का संदेश सारे अफरिका में फैल गया। आज करोड़ों पेड़ वनगारी के बीजो से बढ़े हुए हैं।

...

Avec le temps, les nouveaux arbres se transformèrent en forêts, et les rivières recommencèrent à couler. Le message de Wangari traversa toute l'Afrique. Aujourd'hui des millions d'arbres ont grandi grâce aux graines de Wangari.

अमरीकी जानती थी कि उसे क्या करना है। उसने औरों को सिखाया कि बीज
 से पौधे कैसे उगाते हैं और पौधे कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।



...

A l'université américaine, Wangari apprit plein de
 nouvelles choses. Elle étudia les plantes et la manière
 dont elles grandissent. Et elle se rappela comment elle
 avait grandi : en jouant avec ses frères à l'ombre des
 arbres dans les magnifiques forêts du Kenya.

वन्गारी जानती थी कि उसे क्या करना है। उसने औरों को सिखाया कि बीज
 से पौधे कैसे उगाते हैं और पौधे कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।
 बड़े में पढ़ाई करी कि वो कैसे बढ़ते हैं। और उसे याद आया कि वो कैसे बढ़ेंगे।



...

Wangari savait ce qu'il fallait faire. Elle apprit aux
 femmes comment planter des arbres en utilisant des
 graines. Les femmes vendirent les arbres et utilisèrent
 l'argent pour faire vivre leurs familles. Les femmes
 étaient très heureuses. Wangari les avait aidées à se
 sentir puissantes et fortes.



जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे एहसास होता कि वो केनया के लोगों से कितना प्रेम करती है। वो चाहती थी कि वे सुखी और आज़ाद हो। जितना ज़्यादा वो सिखती उतना ज़्यादा उसे अपना अफ़रिकी घर याद आता।

...

Plus elle apprenait, plus elle réalisait qu'elle aimait les habitants du Kenya. Elle voulait qu'ils soient heureux et libres. Plus elle apprenait, plus elle se rappelait son foyer africain.



जब उसने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली, वो केनया वापस आ गयी। लेकिन उसका देश बदल गया था। ज़मीन पर बड़े-बड़े खेत फैल चुके थे। औरतों के पास चूल्हा जलाने के लिये लकड़ी नहीं थी। लोग गरीब थे और बच्चे भूखे थे।

...

Quand elle eut terminé ses études, elle retourna au Kenya. Mais son pays avait changé. De larges fermes s'étendaient à travers la campagne. Les femmes n'avaient plus de bois pour cuire les aliments. Les gens étaient pauvres et les enfants avaient toujours faim.